from Northern Region, depending upon day to day surplus availability in the Northern Grid.

उत्तर प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों में प्रमुख परियोजना

1711. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार उत्तर प्रदेश में आजमगढ़, जौनपुर, मऊ, सुलतानपुर, फैजाबाद और गाजीपुर में कोई प्रमुख परियोजना शुरू करने के लिए विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो इस परियोजना के लिए कितनी राशि आवंटित की गई है/की जाने की आशा है; और

(ग) यदि नहीं, तो इन पिछड़े क्षेत्रों में कुछ परियोजनाएं शुरू न किए जाने के क्या कारण हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) से (ग) चूंकि आठवीं पंचवर्षीय योजना को अंतिम रूप नहीं दिया गया है अतः यह बताना सम्भव नहीं है कि उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जौनपुर, मऊ, सुल्तानपुर, फैजाबाद तथा गाजीपुर में केन्द्रीय क्षेत्रक अथवा राज्य क्षेत्रक के अन्तर्गत कोई नई बड़ी परियोजना शुरू की जायेगी अथवा नहीं।

उत्तर प्रदेश की विकास दर को बढ़ाने के लिए उठाए जाने वाले कदम

1712. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश की विकास-दर बहुत कम है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) उत्तर प्रदेश की विकास दर को बढ़ाए जाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) 1980-81 की कीमतों पर 1985-86 से 1989-90 के दौरान उत्तर प्रदेश के निवल राज्य घरेलू उत्पाद में औसत वार्षिक परिवर्तन का 5.1 प्रतिशत है। यह आन्ध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, गोआ, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मेघालय, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान और त्रिपुरा की अवधि के लिए औसत से कम है और असम, बिहार, केरल, मणिपुर, तमिलनाडु और पश्चिमी बंगाल की औसत से अधिक है।

(ख) विभिन्न राज्यों की उत्पादन दरें अनेक कारणों से भिन्न-भिन्न हैं। इनमें से कुछ ऐतिहासिक रूप से बुनियादी संरचना, उद्योग उद्यमशीलता में अनियमित विकास होने के कारण, वर्ष प्रति वर्ष वृष्टि में विभिन्नता और सूखा/बाढ़ों जैसी प्राकृतिक जोखिमों की आपदाएं हैं।

(ग) उत्तर प्रदेश सरकार, विकास दर में संवृद्धि किए जाने के लिए विकास योजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है। इन योजनाओं में कृषि उद्योग बुनियादी संरचना, सिंचाई, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि के विकास के लिए निवेश परिव्यय शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, निर्धन लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार और आय के सृजन हेतु कुछ कार्यक्रम भी कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

Statistics of employed and unemployed in metropolitan cities

1713. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) what is the statistics of employment in major metropolitan cities industry-wise and break up figures of SC/ST and other castes including backward classes; and

(b) what is the statistics relating to unemployed persons in major metropolitan cities with break up figures

of SC/ST, Backward and other castes?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) and (b) Estimates of employment by major sectors and estimates of unemployment, for major metropolitan cities (Bombay, Calcutta, Delhi and Madras) as in March, 1991, are given in the statement. (*See* below. Caste-wise break up of this information is not available.

Statement

(Figures in '000 persons)

Employment and Unemployment in Major Metropolitan Cities

	Bombay@	Calcutta**	Delhi $	Madras**5
Population as per 1991 Census	9909	4388	8375	379
*Employed**	3447	1695	2830	1332
Agriculture	19	6	15	2 1
Mining & Quarrying	3	6	..	1
Manufacturing	1178	476	760	354
Electricity Gas and Water	13	18	91	3
Construction	117	91	162	125
Trade	683	326	617	282
Transport	356	139	220	122
Services	1078	633	965	424
*Unemployed**	324	139	139	139

*As per principal as well as subsidiary status

@Greater Bombay (Municipal Corp.)

§Delhi (Class I City)

**Calcutta and Madras (Municipal Corp.)